जनसम्पर्क कार्यालय: एमपी पावर मैनजमेंट कंपनी लिमिटेड,जबलपुर

समाचार

- **श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की इकाई क्रमांक तीन सुपर क्रिटिकल तकनीक पर बनी 660 मेगावाट से शीघ्र होगा कामर्शियल विद्युत उत्पादन**
- **ताप विद्युत गृहों का पीएएफ रहा 85.40 प्रतिशत**
- **वर्ष 2016-17 में जल विद्युत गृहों द्वारा 2912 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन**
- **सारनी और चचाई विद्युत गृह परिसर में सुपर क्रिटिकल आधारित 660 मेगावाट की एक-एक इकाई स्थापित होगी**

जबलपुर, 17 सितंबर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ए.के. नंदा ने बताया कि कंपनी द्वारा अपने ताप एवं जल विद्युत गृहों से अधिकतम विद्युत उत्पादन करने के समुचित प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा रबी सीजन में विद्युत इकाईयों से सतत् विद्युत लेने के लिए सुदृढ़ कार्य योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2016-17 में कंपनी के ताप विद्युत गृहों का पीएएफ 85.40 प्रतिशत रहा है, पावर जनरेटिंग कंपनी का यह सर्वाधिक पीएएफ है। प्रदेश में कंपनी के जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2016-17 में 2912 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया गया जो पूर्व वर्ष की तुलना में लगभग 48 प्रतिशत अधिक था। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना की इकाई क्रमांक तीन 660 मेगावाट सुपर क्रिटिकल तकनीक आधार पर बनी है, इससे शीघ्र ही कामर्शियल विद्युत उत्पादन प्रारंभ होगा। इस इकाई से विद्युत उत्पादन प्रारंभ होने से रबी सीजन में विद्युत आपूर्ति में मदद मिलेगी। कंपनी द्वारा राज्य में सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित 660 मेगावाट की दो विद्युत इकाई स्थापित की जाएगी। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ए.के. नंदा ने कंपनी के समस्त अभियंताओं और कार्मिकों को आह्वान करते हुए कहा कि वे अच्छी टीम वर्क भावना बनाकर बेहतर कार्यनिष्पत्ति का परिचय देकर कार्य करें, जिससे प्रदेश की सभी ताप जल विद्युत इकाईयों से समुचित विद्युत उत्पादन कम लागत पर किया जा सके और पावर जनरेटिंग कंपनी प्रदेश की विद्युत आपूर्ति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सके।

श्री नंदा ने बताया कि वर्ष 2017-18 में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप विद्युत गृहों का कुल विद्युत उत्पादन गत वर्ष से 25 प्रतिशत अधिक प्राप्त किया गया। कुल ताप एवं जल विद्युत गृहों का उत्पादन गत वर्ष की तुलना में 12.5 प्रतिशत अधिक था।

सारनी और चचाई में लगेगी 660 मेगावाट की एक-एक विद्युत इकाई- श्री नंदा ने बताया कि राज्य में विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए विगत दिवस कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है कि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी और अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित 660 मेगावाट की एक-एक विद्युत इकाई स्थापित की जाएगी। स्थापित की जाने वाली विद्युत इकाइयों में प्रत्येक विद्युत इकाई की अनुमानित लागत रूपए 4500 करोड़ होगी।

विशेष्ट तेल खपत में कमी- वर्ष 2017-18 में ईंधन बचत के लगातार प्रयासों के फलस्वरूप विगत वर्षों की तुलना में विशिष्ट तेल खपत एवं विशिष्ट कोल खपत में कमी आई है। वर्ष 2017-18 में विशिाष्ट तेल खपत में 0.81 मिलीलीटर प्रति इकाई रही, जो कंपनी की पूर्व न्यूनतम विशिष्ट तेल खपत से भी कम थी, जो कि महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

ताप विद्युत गृहों द्वारा सर्वाधिक विद्यत उत्पादन का कीर्तिमान- श्री नंदा ने बताया कि 9 जनवरी 2018 को प्रात- 9.00 बजे पावर जनरेटिंग कंपनी के समस्त ताप विद्युत गृहों द्वारा 3770 मेगावाट का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन कर कीर्तिमान स्थापित किया गया। यह विद्युत उत्पादन वर्तमान उपलब्ध ताप विद्युत क्षमता का 97.41 प्रतिशत रहा है। यह कंपनी का किसी एक घंटे का सर्वाधिक मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन है। 9 अप्रैल 2018 को पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा 83.26 मिलियन यूनिट ताप विद्युत उत्पादन किया गया जो कंपनी का एक दिन का सर्वाधिक ताप विद्युत उत्पादन है।

सर्वाधिक ऊर्जा बचत हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार- नेशनल मिशन फार इनहेन्सड इनर्जी एफिशएिंसी के द्वारा ब्यूरो आफ इनर्जी एफिशिएंसी के माध्यम से परफार्म, अचीव एण्ड ट्रेड (PAT) स्कीम के प्रथम चक्र के तहत मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई को देश के ताप विद्युत सेक्टर में लक्ष्य के विरूद्ध सर्वाधिक ऊर्जा बचत हेतु ऊर्जा दक्षता ब्यूरो भारत सरकार द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है।

निर्माणाधीन परियोजनाएं- प्रबंध संचालक श्री ए.के. नंदा ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना चरण-दो के अंतर्गत 660 मेगावाट क्षमता की सुपर क्रिटिकल तकनीक पर आधारित 2 नई विस्तार इकाइयों की स्थापना की जा रही है। अभी तक इन इकाइयों में इकाई क्रमांक तीन का कार्य पूर्णता की ओर है और इकाई क्रमांक चार का कार्य द्रुत गति से चल रहा है, उसका कार्य भी समय पर पूर्ण होगा।

27 अप्रैल 2018 को इकाई क्रमांक तीन का वेस्ट सिंक्रोनाइजेशन कोल मिल एवं कोल बर्नरों के परीक्षण सहित जीरो डेट से 39 माह 28 दिनों के रिकार्ड समय में किया गया जो कि बिजली सेक्टर में कीर्तिमान है। वर्तमान में इस इकाई को पूर्ण क्षमता पर चलाने की तैयारियां की जा रही हैं। ताकि शीघ्र ही इस इकाई से वाणिज्यिक उत्पादन प्राप्त कर प्रदेश की जनता को इसका लाभ पहुंचाया जा सके। साथ इकाई क्रमांक-4 के निर्माण कार्य द्रुत गति से जारी हैं, ताकि इससे भी वाणिज्यिक उत्पादन नवंबर 2018 से प्रारंभ होने के निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

समाचार क्रमांक: 442/2018

(राकेश पाठक)
वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी